वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 193 | गुरुवार 9 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पारम्परिक कला शैलियों में कलाकृतियों को दे रहे अंतिम रूप

ऑनलाइन कार्यशाला में देशभर के अलग-अलग राज्यों के 61 चित्रकार ले रहे हिस्सा

जयपुर. कासं

1970 में स्थापित प्रतिष्ठित कला संस्था कलावृत्त की ओर से राजस्थान ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में विख्यात चित्रकार और मूर्तिकार कला गुरु डॉ. सुमहेन्द्र की स्मृति में ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का यह चौथा संस्करण है, जिसमें देशभर के 61 चित्रकार इन दिनों अपने-अपने स्टूडियो में सृजनरत हैं। कलावृत्त के अध्यक्ष संदीप सुमहेन्द्र ने इस कार्यशाला की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि लघु चित्रण को नए आयाम देते हुए समसामयिक घटनाओं के विषय प्रधान चित्रण के उद्देश्य से यह विशेष कार्यशाला हर वर्ष 2 नवंबर को आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि हमारी विश्व प्रसिद्ध कला शैलियों की तकनीक को आधार बनाकर युवा चित्रकार अपने सृजन के लिए नई विधा को जन्म दे सकते हैं और कला क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान भी बना सकते हैं। साथ ही इससे किसी नई शैली या चित्रण विधा का आविष्कार भी हो सकता है। आधुनिक और अमूर्त कला के अत्यधिक प्रभाव से हमारी विश्व प्रसिद्ध कला शैलियां लगभग लुप्त होती जा रही है। इन्हीं कला शैलियों को पुनः स्थापित कर श्रेष्ठता के साथ नव-प्रयोगों द्वारा कला प्रेमियों के लिए और अधिक आकर्षक बना सकते हैं। कला गुरु सुमहेन्द्र ने अपने समय ने इस प्रकार के बहुत से नव-प्रयोग किए, जिसमें उन्हें सबसे अधिक प्रभावित किया किशनगढ़ शैली ने। अपने सृजन सामाजिक कुरीतियों को अपनी अभिव्यक्ति द्वारा चित्रित किया, फिर चाहे कागज, कैनवास, बोर्ड या दीवार जी भी आधार एवं रंग पारंपरिक, एक्रेलिक, ऑयल या मिश्रित रंग उनके सृजन का माध्यम बने हो। उनके चित्रों के मुख्य नायक-नायिका किशनगढ़ शैली की बणी-ठणी और नागरीदास को लेकर अनगिनत चित्र का चित्रण किए हैं। इस कार्यशाला मे राजस्थान, पंजाब, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, बंगाल आदि राज्यों के अलग अलग शहरों से चित्रकार पार्टिसिपेट कर रहे हैं।

अक्षत कलश और पीले चावल के साथ संतों का आगमन

घर-घर पहुंचेगा श्री राम मंदिर अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण

जयपुर. कासं। विश्व हिंदू परिषद जयपुर के कार्यालय पर अयोध्या से अक्षत कलश और पीले चावल आए। कलश का स्वागत और पूजन कनक बिहारी मंदिर के संत श्री सियाराम दास जी महाराज और श्री अयोध्या दास जी महाराज आमेर के सानिध्य में किया गया। विहिप के जयपुर प्रांत मंत्री अशोक डीडवानिया ने कलश आमंत्रण को स्वीकार्य किया। विश्व हिंदू परिषद क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कहा हमारे पूर्वजों ने जिस लड़ाई को 500 सालों से भी अधिक जीवंत रखा। उसका परिणाम श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा स्वरूप आगामी 22 जनवरी को भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। संपूर्ण विश्व इस घटना का साक्षी रहने वाला है। उन्होंने कहा 23 जनवरी 2024 से मंदिर के द्वार आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे, जिसके आमंत्रण हेतु विश्व हिंदू परिषद 1से 15 दिसंबर तक व्यापक जनसंपर्क निमंत्रण अभियान चलाएगा। इसमें विश्व हिंदू परिषद् के कार्यकर्ता राजस्थान के सभी गांव, जिलों में घर-घर पहुंच कर राम लला का चित्र, निमंत्रण पत्र और पीले चावलों के साथ भव्य मंदिर दर्शन का निमंत्रण देंगे।

राजस्थान में बारिश की संभावना: पाकिस्तान में एक्टिव हो रहे सिस्टम से 4 जिलों में दिखेगा असर; आज शाम से बादल छाने लगेंगे

जयपुर. कासं

राजस्थान के बीकानेर संभाग के चार जिलों में कल मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर और हनुमानगढ़ में बादल छाने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। पाकिस्तान में एक्टिव हो रहे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिलेगा। इस सिस्टम का असर राज्य में 9 और 10 नवंबर तक रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस सिस्टम की इंटेंसिटी कमजोर है। इस कारण बारिश तेज होने की संभावना कम है। हालांकि बीकानेर संभाग के जिलों में इस सिस्टम का असर बुधवार शाम को दिख सकता है। 9 और 10 नवंबर को भी संभाग के जिलों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

तापमान में होगा उतार-चढ़ाव

इस सिस्टम के असर से तापमान में उतार-चढ़ाव भी होगा। बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू और हनुमानगढ़ में दिन का तापमान कल से कम होने लगेगा, जबकि रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। बीकानेर में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस, श्रीगंगानगर में 18 और चूरू में 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है, जो एक से दो डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। इसी तरह दिन का तापमान श्रीगंगानगर व चूरू में 30-30 और बीकानेर में 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। उसमें भी एक-दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।

प्रदूषण से मिलेगी राहत

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस सिस्टम का असर 11 नवंबर को खत्म हो जाएगा। एक बार फिर इन जिलों में मौसम साफ हो जाएगा। सर्दी में कोई खास इजाफा नहीं होगा। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के एरिया में एयर क्वालिटी इंडेक्स में काफी सुधार आएगा। यहां एक बार फिर उत्तर-पश्चिमी हवा चलने लगेगी, जिससे धुआं-पॉल्यूशन यहां से हट जाएगा।

जैसलमेर में छाया कोहरा

जैसलमेर जिले में बुधवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला। सुबह हल्का कोहरा छाया रहा। आसपास के गांवों में भी कोहरा देखने को मिला। वहीं, सर्दी बढ़ गई। मौसम विभाग की मानें तो 10 नवंबर से ठंड का असर और भी तेज होगा। आने वाले दिनों में ठंड बढ़ेगी।

यदि किसी कार्य को करने के बाद उदासीनता आये, थकान आवे, बोरियत हो समझ लेना हम गलत रास्ते पर हैं...

जिसके प्रति बोरियत न आ रही हो वही तुम्हारा भविष्य है, वही तुम हो: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

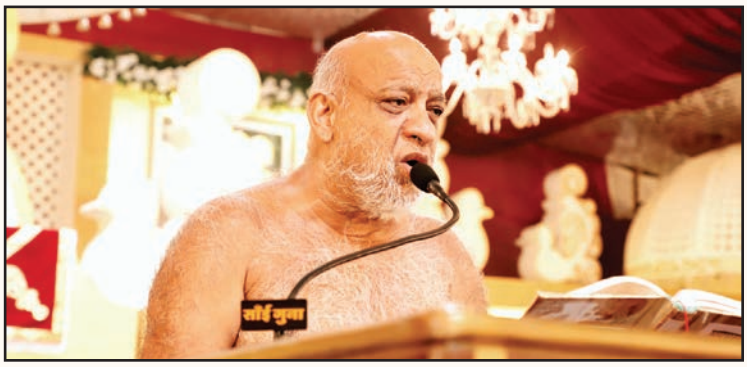

आगरा. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के शिष्य निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में चल रहे श्री समयसार प्रशिक्षण शिविर के ग्यारहवें दिन 8 नवम्बर को कार्यक्रम की शुरूआत शांतिनाथ महिला मंडल ने संत शिरमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनिपुंगव श्री को नमन करते हुए मंगलाचरण के साथ की मंगलाचरण के बाद महाराष्ट्र के रहने वाले श्रमण संस्कृति के विद्वान ने अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि गुरू नही मिलते तो हम मोक्ष मार्ग पर नही चल पाते ये, हमारा सौभाग्य है कि हमें गुरू का सानिध्य प्राप्त हो रहा है।श्री समयसार प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत गुरू दर्शन को आए गुरूभक्तों ने मुनिश्री को शास्त्र भेंट कर गुरू का आशीर्वाद लिया इसी बीच गुरूभक्तों ने चित्र अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलन कियो मुनिश्री ने शिविर के 11वें दिन बुधवार को मंगलवाणी को संबोधित करते हुए कहा कि अदृश्य मुझे दिखता नही है और जो दिखता है वह मुझे देखना नही, उसको देखने से हमारा कोई परपज हल नही होता। दृश्यमान को देखकर के हमारे परिणाम आकुल व्याकुल होते है, सामने वाला भी हमारे लिए अच्छा नही मानता। धर्म का अनुभव यही अटक रहा है। सबकुछ सही मानते हुए भी जब अनुभव से तौलता हूँ तो धर्म बिल्कुल विपरीत नजर आता है। अभव्य भी कह रहा है कि शास्त्र में लिखा हुआ गलत नही है लेकिन यह कहा स्वीकार कर पा रहा है कि यही सत्य है।गलत नही होना और सत्य होने में बहुत अंतर है। नास्ति और अस्ति में बहुत अंतर है, यह गलत नही है इसलिए सही है ये मत मान लेना, यह सही है इसलिए गलत नही है ये भी मत मान लेना। कई बार गलत चीज सत्य होती है और कई बार सत्य चीज गलत होती है क्योंकि यह स्थितियाँ बहुत बार गुजरती है इसलिए तत्वार्थसूत्रकार को लिखना पड़ता सत्य है लेकिन स्वीकार करने लायक नही है। कितने कार्य है जो मुझे करना नही चाहिए लेकिन कर रहा हूँ, बुद्धि पूर्वक कर रहा हूँ क्योंकि उसे कार्य को किए बिना हमारे इष्ट की सिद्ध नहीं हो रही। *कभी कभी इष्ट की सिद्धि के लिए गलत कार्य भी करना पड़ता है, गलत का समर्थन करना पड़ता है। ये संसार की ऐसी विचित्रता है और इसी के परिणाम स्वरूप मन कह देता है गलत तो नही कहूँगा लेकिन मैं सत्य स्वीकार नही करूँगा। सत्य वो अनुभूत वस्तु है जो आत्मा की पर्याय बन सकती है। ये गलत नही इतने कहने मात्र से जरूरी नहीं है इसने स्वीकार कर लिया। क्या जिनेंद्र भगवान गलत है, सदोष है, बिल्कुल नही निर्दोष है इतने कहने मात्र से मत समझ लेना उसने भगवान को स्वीकार कर लिया, इतने मात्र से जरूरी नहीं है कि हमे भगवान मिल गया। हीरा तुम्हारे हाथ में आ सकता है लेकिन तुम्हें मलकियत का अनुभव हो ऐसा कोई नियम नहीं है। बैंक में मैनेजर धन को हाथ से गिनता है लेकिन उसे धनीपने का आनंद नहीं आता। धन है और धनी नहीं है, गुरु है लेकिन शिष्य नहीं है, धर्म है लेकिन वो धर्मी नहीं है, ऐसा कोई नियम नही है। भगवान है लेकिन भक्त नहीं है क्योंकि वो यह नही कह पा रहा है यही सत्स्वरूप है।सम्यकदर्शन से पहले की भूमिका जैसे ही तुम्हें कोई अच्छी वस्तु दिखे और तुम्हें देखने का भाव आये, समझ लेना संदेह है आकर्षण है, शायद मिथ्यादृष्टि हो तुम और तुम्हें कोई भी चीज देखने का भाव आए मुझे नहीं देखना पूरी जिंदगी देखते ही तो रहा हूँ क्या मिला, सब सुन लिया अब कुछ नही सुनना। आँख, नाक, कान जिस जिस इन्द्रिय का हमने सेवन किया, उसी पर हमारी शक्ति क्षीण होती गई। पहले थर्मामीटर है बोरियत, दूसरा थर्मामीटर है अरुचि, कर तो रहे हो लेकिन रुचि नही है, तीसरा थर्मामीटर है तुम्हे थकान तो महसूस नही हो रही है, विराम का भाव तो नही आ रहा है। आप उसे देखिए जिसमें आपकी आँख थके नहीं, वो साधना करो। कोई आज तक दावा कर सके तो बताओ कि मैंने ऐसी चीज देखी है जिसमें मेरी आँख थकती नहीं है बल्कि आँखों की ज्योति और बढ़ती है। कभी हुआ है ऐसा? नही, इसलिए अपन सब कुछ देखते हुए भी सही नही देख पा रहे है, सही वह है जिसमें आँख थकती नहीं है।एक पाप ऐसा बताओ जिसको करने के बाद कोई भी व्यक्ति थकता नहीं हो, थकता है, पाप असीम नही हो सकता और धर्म वो चीज है जिसमे गैप की जरूरत न पड़े, धर्म असीम है और हमने धर्म को सीमित कर दिया, पाप को असीमित कर दिया। मन्दिर जाने की सीमा है, और घर जाने की कोई सीमा नही। इस दौरान सभी विद्वान पूरे जगत में धर्म का परचम लहरा रहे हैं 29 अक्टूबर से शुरू हुए श्री समयसार प्रशिक्षण शिविर का समापन 9 नवम्बर को होगो इसके साथ ही श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति आगामी आयोजनों की तैयारियों में जूट गई है।

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मन्दिर की "जैन पाठशाला" के छात्रों को मोटिवेशनल मूवी 12th फैल दिखायी गयी

पावन पर्व दीपावली पर संतों का अनशन सहन नहीं, जागो सरकार जागो

कामा. शाबाश इंडिया। वैसे तो दीपावली पर घोर अंधियारी काली रात होती है क्योंकि है अमावस की रात्रि होने के कारण धरा पर अंधेरा ही अंधेरा होता है। उस अंधियारे को दूर करने के लिए चहुओर दीप प्रज्वलित कर जहां वातावरण को जगमग किया जाता है वही इस पावन त्योहार पर सबके जीवन मे भी नवीनता का उजियारा जगमगा उठता है किंतु इस वर्ष इस दीपावली पर जैन धर्म के पूज्य संतों द्वारा अनशन कर सरकार को चेताया जा रहा है कि आप घोर अंधियारे में जा रहे हैं और जैन तीर्थो के साथ इस तरह का व्यवहार कर आप किसी भी प्रकार का न्याय नहीं कर पा रहे हैं। घोर अंधेरे से निकलकर न्याय का उजियारा करिए सरकार और संतों को अनशन करने पर इस पावन पर्व पर मजबूर ना करिए। हे सरकार आपकी जिम्मेदारी बनती है कि सभी के हितों का ध्यान रखते हुए न्याय पूर्ण कार्य किया जाए किंतु आप इस कार्य में कहीं ना कहीं असफल हो रहे हैं। इतने बड़े पावन पर्व पर संतो को अनशन करने पर मजबूर करना किसी भी प्रकार से उत्तम व हितकारी नहीं है। जैन समाज व्याकुल है और अपने सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी के लिए चिंतित है एक तथा कथित ने संतों को कोर्ट में घसीटने तक की चेतावनी दे दी है उसे आप तुरंत अपनी पार्टी से बहिष्कृत कर, सही रास्ता दिखाइए और संतों को अनशन के लिए मजबूर ना करिए। जैन समाज पुरजोर तरीके से ऐसे तथाकथित का विरोध करती है और आपसे मांग करती है कि अति शीघ्र गिरनार जी को जैन धर्म के पूज्य स्थल के रूप में जैन समाज को समर्पित किया जाए। जय नेमिनाथ जय गिरनार। **संजय जैन बड़जात्या कामां**

समग्र जैन समाज में बी जे पी के पूर्व सांसद महेश गिरी के बयानों से रोष

इंदौर. शाबाश इंडिया

बी जे पी के पूर्व सांसद महेश गिरी दिल्ली जो वर्तमान मे जूनागढ़ गिरनार में निवास करते हैं उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से एक पत्र दिखाते हुए जन-जन के आराध्य दिगम्बरी सन्तो व सम्भ्रान्त जैन समाज के नागरिकों के खिलाफ कानूनी, कार्यवाही करने की धमकी दी हैं इस से पुरे देश की समाज आहत हैं। जैन सन्त अध्यात्म का एवं इस वसुंधरा के चलते फिरते भगवान के रुप में जीता जागता उदाहरण हैं वे समस्त जीवों को अहिंसा का उपदेश देकर अहिंसक जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं अतः ऐसे जैन सन्तो के प्रति किसी भी तरह की भाषा का दुरुपयोग अथवा कानूनी कार्यवाही अनुचित हैं इंदौर दिगंबर जैन समाज सामाजिक सांसद के युवा प्रकोष्ठ प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू, राजकुमार पाटोदी, राकेश विनायका अमित कासलीवाल डॉ जैनेन्द्र जैन हंसमुख गांधी टीके वेद मनीष अजमेरा परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सारिका जैन अंजलि जैन सीमा रावत आदि ने कहा कि गुजरात पुलिस द्वारा यदि हमारे साधु संत पर कोई कानूनी कार्यवाही की गयी अथवा करने की चेस्टा की जा रही हो उसे रोका जावे और निरस्त किया जाए नहीं तो पुरे देश में अहिंसक आंदोलन किया जाएगा।

भागवत कथा के छठवें दिन भगवान कृष्ण की बाल-लीलाओ एवं गोवर्धन पूजा का सुनाया वृतांत

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। समीप के गांव अकबरपुर के पांच थोक स्थित श्री नरसिंह जी महाराज के नवनिर्मित मंदिर की स्थापना के उपलक्ष में चल रही विशाल भागवत कथा के छठवें दिन प्रसिद्ध संत कथा प्रवक्ता स्वामी विष्णु चेतन जी महाराज ने अपने मुखारविंद से भागवत कथा मे भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव के बाद बाल लीलाओं एवं गोवर्धन पूजा का विस्तार से वृतांत सुनाया व गोवर्धन पूजन कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया। कथा प्रवक्ता ने कहा की कथा श्रवण से मन व आत्मा को शांति मिलने के साथ ही भगवान की प्राप्ति होती है। व भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहां की नियमित रूप से कथा का श्रवण करने से सभी पापों का नाश होता है वह कलयुग में राधे राधे नाम का जाप ही मोक्ष तक पहुंचने का सबसे बड़ा साधन है। बीच-बीच में कथावाचक द्वारा गाए गए भजनों पर महिलाओं ने नृत्य किया। आयोजन समिति के हाकिम सिंह जगमोहन सिंह बांगर ने बताया कि कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण जी वह नंद बाबा की सजीव झांकी सजाई गई एवं शुक्रवार को कथा समापन के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा इस अवसर पर आयोजन समिति के बांगर परिवार सहित हजारों की संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

विरोध को समझें...

मनुष्य की प्रवृत्ति ही स्वतंत्र रहने की है। स्वतंत्रता सबको प्रिय है। ऐसा इसलिए, क्योंकि स्वतंत्रता वह अवस्था है जिसमें कोई भी जीव किसी दबाव के बगैर स्वेच्छा से कहीं भी आ-जा सकता है। ऐसा करने में उसे अच्छा भी लगता है, लेकिन जब कभी उसकी स्वतंत्रता पर कोई छोटा-सा आघात होता है तो वह तिलमिला जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्रकृति ने सभी जीवों को स्वतंत्र और स्वच्छंद बनाया है। प्रकृति यह मानती है कि संसार का प्रत्येक जीव अपनी-अपनी अभिरुचि के अनुरूप कार्य करे और अपना जीवनयापन करे। शास्त्रों का आदेश है कि जब कभी हम किसी जीवन पर प्रतिबंध लगाते हैं या उसकी गति को रोकने का प्रयास करते हैं तो वह विरोध करता है। जैसे नदी का काम है बहना, लेकिन जब कभी हम नदी की धारा को रोकने का प्रयास करते हैं तो नदी या तो बांध तोड़ देती है या फिर किनारे को तोड़कर विध्वंस करने लगती है। मनुष्य की शक्ति इससे अलग होती है, क्योंकि मनुष्य या तो क्रियात्मक बनता है अथवा विध्वंसात्मक बनता है। प्रश्न यह है कि मनुष्य समाज की विपरीत दिशा में क्यों खड़ा हो जाता है, उसकी प्रवृत्ति तो विरोधात्मक नहीं है। हमने छोटे बच्चों को देखा वे कितने सरल और मोहक होते हैं, लेकिन किसी विशेष परिस्थिति में पड़कर वे कभी-कभी इतने भयानक बन जाते हैं कि वे समाज की बड़ी समस्या बनकर खड़े हो जाते हैं। जरूर हमसे कोई भूल हुई होगी जिससे वे कुरूप बनकर समाज के सामने खड़ा हो जाते हैं। जैसे छोटे बच्चे दूध के लिए मां को पुकारते हैं तो वे कभी चिल्लाने लगते हैं और कभी कप अथवा शीशा फोड़ने लगते हैं। यह उनका विरोध प्रदर्शन है। वह मां का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं। यहां तक कि छोटे बच्चे भी अपनी उपेक्षा बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह जो उपेक्षा का भाव है, उसे मनुष्य बर्दाश्त नहीं कर सकता। जैसे छोटे बच्चे को हमने देखा कि मां ने दूध नहीं दिया तो उसने तोड़-फोड़ करना शुरू कर दिया। नेपोलियन एक गरीब घर का लड़का था। उसके उपेक्षा के दंश का विष उसके पूरे शरीर में फैल गया और वह समाज के सामने विद्रोही बनकर खड़ा हो गया। ऐसे बहुत से नाम इतिहास के पन्नों में अंकित हैं जो बचपन में बहुत ही साधारण और मोहक थे, लेकिन वे एक दिन समाज की छाती पर खड़े हो गए।

संपादकीय

क्यों और कब तक बांटना पड़ेगा मुफ्त अनाज

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की चुनावी सभा में मुफ्त राशन बांटने की मियाद को पांच वर्ष और बढ़ाने की घोषणा की है। अब गरीब परिवार के 81.35 करोड़ लोगों को दिसंबर 2028 तक मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन कार्डधारकों को एक से तीन रुपये किलो के बीच गेहूं-चावल उपलब्ध कराया जाता था, पर अप्रैल 2020 में जब महामारी फैली, तब तय हुआ था कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीबों को सरकार मुफ्त राशन देगी। मुफ्त में अनाज देने वाली अन्न योजना आठ महीने के लिए कोरोना काल के दौरान ''कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए'' के मकसद से शुरू की गई थी। अब तक इस योजना को आठ चरणों में बढ़ाया गया है और जिस पर दिसंबर 2022 तक लगभग चार लाख करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। आखिर कोरोना के साढ़े तीन साल बाद भी इस योजना को पांच साल आगे बढ़ाना कहां तक उचित है? इस फैसले पर बहस लाजिमी है। विरोधी दलों की दलील है कि आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए सरकार ने राशन योजना को बढ़ाने का फैसला किया है। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त में दी जाने वाली चीजों को लेकर सवाल उठाया है। कोरोना महामारी काफी हद तक कम हो गई है और जिस संकट के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू हुई थी, अब वह प्रासंगिक नहीं है। लंबे समय तक इस योजना को जारी रखने से इसके स्थायी होने या अनिश्चित काल तक बने रहने की संभावना है। जो भी सरकार इस फैसले की समीक्षा करेगी, उसे शायद सियासी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बढ़ती आबादी से अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का नुस्खा चीन ने बताया था। गरीब और आर्थिक तौर पर पिछड़े जनसमुदाय किसी राष्ट्र पर बोझ होते हैं, जबकि स्वस्थ-शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक किसी राष्ट्र के लिए संपत्ति होते हैं। यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि देश में सिर्फ 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं, तो 81.35 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन देने का आखिर मकसद क्या है? अतिरिक्त बजट बोझ के कारण जरूरी स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचा आदि के बजट में कटौती होना लाजिमी है। वास्तव में सरकारों को मुफ्त में शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य देने की गारंटी देनी चाहिए। अनाज के मामले में देश के आत्मनिर्भर होने के पांच दशक बाद भी देश की दो-तिहाई आबादी मुफ्त अनाज पर निर्भर है। 2022 में आईडीसी की एक रिपोर्ट में पाया गया था कि लगभग 74 प्रतिशत उद्यमों में अभी भी कौशल की कमी है। एक ओर, भारत में कंपनियां कुशल कार्यबल की भारी कमी का सामना कर रही हैं, तो दूसरी ओर, देश में लाखों शिक्षित बेरोजगार हैं। यूएनडीपी के मानव विकास सूचकांक में भारत 191 देशों में 132वें स्थान पर है, जो चिंताजनक है। वर्तमान में, भारत में केवल 45 प्रतिशत प्रशिक्षित व्यक्ति ही रोजगार के योग्य हैं और केवल 4.69 प्रतिशत कार्यबल व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ उपलब्ध है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भुकंप की आफत...

नेपाल और उत्तर भारत में बार-बार भूकंप के झटकों से चिंता का माहौल है। सोमवार को आया ताजा झटका रिक्टर स्केल पर 5.6 का रहा, जबकि शुक्रवार रात आया झटका 6.4 तीव्रता का था। नेपाल में शुक्रवार 3 नवंबर को आए भूकंप की वजह से 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों लोग घायल हो गए हैं। भारत ने भी राहत राशि नेपाल भेजी है और वहां बचाव कार्य जोर-शोर से चल रहा है। सोमवार शाम को आए झटके से नेपाल में विशेष रूप से चिंता की लहर है। बताया जा रहा है कि भूकंप का केंद्र उत्तर प्रदेश में अयोध्या से 233 किलोमीटर उत्तर में था। वास्तव में, नेपाल की जो भौगोलिक स्थिति है, वहां आने वाला कोई भी भूकंप भारत को अवश्य प्रभावित करेगा। ह्यनेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजीह्ल के वैज्ञानिक संजय कुमार प्रजापति के अनुसार, ताजा भूकंप 3 नवंबर को आए भूकंप का अगला झटका है। वैसे अब तक 14 छोटे झटके आ चुके हैं। किसी बड़े भूकंप के समय छोटे-छोटे झटके आते हैं। सोमवार को दिल्ली में भी 10 सेकंड तक झटके महसूस किए गए हैं। आशंकाओं का बाजार गरम है, क्या 3 नवंबर को नेपाल में आया 6.4 तीव्रता भूकंप ही मुख्य था और उसके बाद लग रहे छोटे-छोटे झटके उसका असर हैं? दरअसल, विज्ञान अभी इस स्थिति में नहीं है कि भूकंप पर कोई पुख्ता अनुमान लगा सके। अफसोस, नेपाल के जाजरकोट में ज्यादा जनहानि हुई है और इससे बाकी नेपाल में भी दुख का माहौल है। नेपाल में बचाव के सभी उपाय किए जा रहे हैं और कमजोर इमारतों से लोगों को हटाया भी गया है। नेपाल के लोगों के मन में साल 2015 में आए भूकंप की यादें ताजा हो आई हैं। उस आपदा में करीब 9,000 लोग मारे गए थे। तब कई कस्बे, सदियों पुराने मंदिर और अन्य ऐतिहासिक स्थल मलबे में तब्दील हो गए थे और दस लाख से अधिक घर नष्ट हो गए थे। नेपाल को उस वक्त लगभग छह अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा था। नुकसान इस बार भी बहुत हुआ है और अभी कुल अनुमान लगाया जा रहा है। नेपाल में चूंकि सर्दियों के दिन शुरू हो चुके हैं, इसलिए चिंता ज्यादा है। भारत को नेपाल की हरसंभव मदद करनी चाहिए। ऐसे भूकंपों को न्यूनतम नहीं किया जा सकता, मगर उनसे होने वाले नुकसान को जरूर कम किया जा सकता है। दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाएं हर साल औसतन 20 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करती हैं और दो करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो जाते हैं। दक्षिण एशिया के देशों को तो विशेष रूप से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि हिमालय से लगा हुआ पूरा इलाका भूकंप संवेदी है। हिमालय से सटे तमाम देशों को प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए अपनी अलग व्यवस्था भी करनी चाहिए। यह व्यवस्था दक्षेस के मंच से भी हो सकती है। आपदा के समय दक्षिण एशिया के देश एक-दूसरे के ज्यादा काम आ सकें, सूचनाएं साझा कर सकें, एक-दूसरे को बचाव सामग्री मुहैया करा सकें, इसके लिए पुख्ता तौर पर साझा आपदा प्रबंधन ढांचा तैयार रखना चाहिए। बेहतर सहयोग के लिए परस्पर विवादों से ऊपर उठना जरूरी है। भारत इस दिशा में आगे बढ़कर पहल कर सकता है। ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए दक्षिण एशिया के देशों को अपनी आर्थिक स्थिति में परस्पर बेहतर समन्वय के साथ सुधार करना होगा। इन देशों में परस्पर बेहतर संबंधों की बड़ी जरूरत है। निस्संदेह, बार-बार आ रहे झटके किसी चेतावनी से कम नहीं हैं।

भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव सोमवार को मनाया जाएगा

राजेश जैन ' अरिहंत '. शाबाश इंडिया

साखना, टोंक। शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव सोमवार को मनाया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश सोनी ने बताया कि इस अवसर पर सोमवार को प्रातः 9:00 बजे सामूहिक रूप से 11 किलो का लड्डू शांतिनाथ भगवान के श्री चरणों में चढ़ाया जाएगा। इसी प्रकार पुरानी टोंक स्थित पांचो जैन मंदिर में भी सोमवार को भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा जिसके अंतर्गत आदिनाथ मंदिर पार्श्वनाथ मंदिर नेमिनाथ मंदिर शांतिनाथ मंदिर एवं चंद्रप्रभु मंदिर में प्रातः 8:00 बजे से बैंड बाजे एवं हर्ष उल्लास के साथ निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा। इस हेतु समाज की ओर से 350 किलो लड्डू का निर्माण किया जाएगा उक्त जानकारी समाज के अध्यक्ष रमेश छाबड़ा ने दी।

आचार्य विराग सागर महाराज जी का 32वा पदारोहण दिवस मनाया गया

बड़ागांव. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्वर जैन सिद्धक्षेत्र बड़ागांव में परम पूज्य आचार्य गुरुवर श्री 108 विराग सागर जी महाराज का 32वा आचार्य पदारोहण दिवस परम पूज्य मुनि श्री प्रवचन केसरी 108 विश्रांत सागर जी महाराज के मंगल पावन ससंघ सानिध्य,में दिनांक 8 नवंबर 2023 को बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।सर्वप्रथम परमपूज्य आचार्य विराग सागर महाराज जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया तत्पश्चात आचार्य श्री की पूजन पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा की गई।कार्यक्रम के पूर्व पाठशाला के बच्चो के द्वारा मंगलाचरण किया गया। मुनि श्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये कहा जैन आगम में कहा गया है कि हमें किसी के प्रति भी अशुभ नहीं सोचना चाहिए यदि कोई हमारा अशुभ सोचता भी है तो उसके बारे में भी हमें अच्छा ही सोचना है क्योंकि जो हमें शूल बोएंगे तो हमें फूल ही मिलेंगे शूल नही, जो जैसा बोता है उसका फल उसे ही मिलता है अतः हमें तो हमारा अशुभ सोचने वाले के प्रति भी सद्भावना बनाना है फिर हमारे धर्मात्मा जन-हो तो उनके प्रति तो श्रद्धा के साथ विशुद्ध भावना बनाकर रखना, कहीं आपने यदि साधक के प्रति भी गलत भाव बना लिये तो नरको में उसका फल रो रो कर चुकाना पड़ेगा अतः अहंकार या क्रोध में आकर साधकों का कभी भी अपमान ना करें ऐसे प्रत्येक जीवो को प्रतिज्ञा कर लेनी चाहिये। कर्यक्रम मे पंडित सि,सुरेंद्र कुमार जी जैन, पंडित दिनेश कुमार दिवाकर जी, पंडित ऋषभ कुमार जी, पंडित सुनील कुमार जी, पंडित मनीष कुमार जी एवं प्रभात जैन एडवोकेट,मुकेश लार प्रमोद कोठिया ने गुरुदेव के चरणों मे विनियांजलि व्यक्ति की तथा कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर कैलाश चंद नुना, कोषाध्यक्ष धीरज कुमार जैन, महामंत्री राजेश कुमार जैन ने,विद्वानों का सम्मान किया गया।

जैन धर्म की सीढ़ियां बनने के लिए अगली पीढ़ियों का करें मार्गदर्शन

अहिंसा, करुणा, दया, क्षमा की मसाल लेकर देश-दुनिया को रास्ता दिखाते हैं : आचार्य श्री सुनील सागर जी

ऋषभ विहार में हुआ गिरनार के लिए शंखनाद

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। ऋषभ विहार दिल्ली के श्री सन्मति समवशरण धर्म सभा मंडप में श्री दिगंबर जैन गोलापूर्व समाज दिल्ली (रजि.) द्वारा संयोजित नैमित्तक राष्ट्रीय अधिवेशन राष्ट्रसंत,चतुर्थ पट्टाचार्य, प्राकृताचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज (ससंघ 51 पिच्छी) के मंगल सानिध्य में संपन्न हुआ। इस विशाल सभा मंडप में आयोजित गरिमामय समारोह में

जैन समाज के गौरवमय इतिहास की जानकारी पर प्रकाश डालते हुए तथा समाज को जागृत करते हुए कहा कि ना देह की पूजा होती है , ना रंग की , ना जाति की, ना कुल की पूजा होती है, पूजा होती है गुणों की। गुण नहीं है तो वह ना श्रावक है और ना श्रवण है। निश्चित ही आपके पुरखों ने वैसा जीवन जिया है जिसे आप गौरव से कह पा रहे हैं कि हम जैन है । जिस जाति गोत्र में हमारे गौरव जन्मे हैं, जिसमें देश भक्त क्रांतिकारी जन्मे हैं, जिसमें विद्वान और मुनिराज आदि जन्मे है गौरव होता है। लेकिन ध्यान रहे आचार विचार आपका पिछड़ गया तो आप यह कहने के लायक नहीं रह पाएंगे। अपने आचार विचार संभालिए, अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन कीजिए क्योंकि आगे की पीढ़ियां जैन धर्म की सीढ़ियां बनेगी। आचार्यश्री ने कहा कि अहिंसा, करुणा, दया, क्षमा की मसाल जैन श्रावक और श्रमण लेकर पूरे देश व दुनिया को रास्ता दिखाता हैं। सभी समिति, संस्था, संगठन ऐसा काम करें कि आम लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठे और जो पिछड़ रहें हैं उनको ऊंचा उठायें, परस्पर सहयोग देकर आगे बढ़ायें। इस अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे एलएनटी सीमेंट एशिया हेड, डायरेक्टर टेक्निकल श्री विमल कुमार जैन गुरुग्राम तथा विशिष्ट अतिथि देवेंद्र लुहारी सागर ,राजेश जैन रागी बकस्वाहा डॉ. अजित शास्त्री गुरुजी रायपुर, प्राचार्य सुरेंद्र जैन भगवां, गणतंत्र जैन आगरा, संजय शास्त्री सागर सहित अन्य अतिथियों ने पूज्य आचार्यश्री को श्रीफल समर्पित किया और चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन तथा शास्त्र समर्पित कर सौभाग्य प्राप्त किया। इस मौके पर मुकेश विनम्र गुरुग्राम व महिला मंडल ने मंगलाचरण किया, डा. कमलेश जैन ''बसंत'' अलवर ने सफल संचालन कर अपनी कविताओं के माध्यम से विचार रखे और ओजस्वी वक्ताओं व अतिथियों ने जैन समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक उत्थान हेतु तथा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में उच्च भूमिका सुनिश्चित करने हेतु तथा जैन तीर्थ क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अपने विचार व्यक्त किए और गिरनार के लिए शंखनाद किया। संजय जैन (विश्व जैन संगठन) ने भगवान नेमीनाथ की पवित्र निर्वाण भूमि जैन तीर्थ क्षेत्र गिरनार के इतिहास महत्व और कथित द्वारा जबरन कब्जा कर अप्रिय घटनाओं को उतारु होने , न्यायालीन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुए मांग के बिन्दुओं और रणनीति को बता कर सभी देशवासियों से सहयोग की अपील कर गिरनार पर शंखनाद किया। साथ ही श्री दि. जैन गोलापूर्व समाज दिल्ली के अध्यक्ष मदन जैन 'मनु' , महामंत्री इंजी. सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष विवेक जैन, संगठन मंत्री संदीप जैन , मीडिया प्रभारी नीरज जैन, कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन ने संस्था की गतिविधियों को बताते हुए अपने विचार व्यक्त किये एवं ''श्री सन्मति सागर श्री सुनील सागर सहायता फण्ड योजना'' की घोषणा करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में उपरोक्त अतिथियों को जैन समाज के लिए किये गये बहूमूल्य योगदान हेतु शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह, शास्त्र व अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। अधिवेशन में सम्मिलित सभी अतिथियों को फाईल किट वितरण रजत जैन मेघा फाईल व अनिल जैन अंकिता फाईल के सौजन्य से भेंट करने, पी टी विमल जैन के संयोजन व कोडिनेट ।

माता-पिता को वृद्धाश्रम में नहीं हृदयाश्रम में रखें : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के मुखारविंद से प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में चल रही है । भक्तों की भीड़ प्रतिदिन शांति प्रभु के चरणों का वंदन करने पहुंच रही है । आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रेष्ठी प्रह्लाद झिलाई व कमलेश जयपुर वालों ने प्राप्त किया । माताजी ने अपनी धर्म देशना के माध्यम से जनसमूह को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - हमें सदा देव शास्त्र गुरू की तथा अपने से बडे - बुजुर्गों की सेवा भक्ति करना चाहिए । इनकी सेवा से पुण्य का बंध होता है और पाप कर्म कटता है। वर्तमान में स्थितियां इतनी विपरीत हो गई है किसी के अंदर सेवा का भाव ही नहीं बचा। जिन बच्चों को माता - पिता ने पाल - पोषकर इतना बडा कर दिया । आज उन बच्चों को उनकी सेवा करना , उन्हें अपने पास रखना बहुत बडा कष्ट लगता है। जिससे वे उन्हें वृद्धावस्था में वृद्धाश्रम में छोड़ आते हैं। माताजी ने इस प्रकार का भाव रखने वाले प्रत्येक युवाओं को ललकारते हुये कहा - जो संतान अपने माता - पिता के साथ ऐसा घृणित व्यवहार करते हैं उन्हें अपने आप पर शर्म आनी चाहिए । जिन्होंने तुम्हें जन्म दिया , पढ़ाया लिखाकर इतना बड़ा किया तुम्हारी खुशी के लिए अपनी इच्छाओं का परित्याग किया उनके उपकार को तुमने क्षण भर में भुला दिया। तिर्यंच भी किसी के द्वारा अपने पर किये उपकार को नहीं भूलता । फिर तुम तो मानव हो। आज जैसा व्यवहार हम करेंगे वैसा ही व्यवहार भविष्य में हमारी संतान तुम्हारे साथ करेगी। सेवा क्या है - हाथ पैर दबाने का नाम सेवा नहीं है बल्कि जिसको जहाँ जैसी आवश्यकता है उस तरह से उनकी सहायता करना मदद करने का नाम सेवा है । प्राचीन कहावत है सेवा करने से मेवा मिलता है अर्थात सेवा से बहुत फल मिलता है। इसलिए सभी को एक नियम अवश्य लेना है चाहिए सभी अपने से बड़ों की सेवा करेंगे ।

महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा पंपलेट एवम पोस्टर वितरण कर दिया मतदान का संदेश

छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करो मतदान

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। राज्य में 25 नवंबर को होने वाले लोकतंत्र के पर्व में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी निभाने एवम शत प्रतिशत मतदान के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों से प्रेरित होकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन की भावना से महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा स्थानीय बालचर संघ के कैंप में अधिकाधिक मतदान की अपील की गई। संस्था के अध्यक्ष आनन्द सेठी ने बताया की कैंप में उपस्थित युवाओं एवम युवतियों ने आगामी विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत वोट देने एवम दिलाने की शपथ ली। इस दौरान संस्था के सचिव विकास पाटनी, सुनील माथुर, आशीष राहुल झांझरी, विकास विशाल काला के साथ बालचार संघ के नेशनल ट्रेनर राजेंद्र पारीक, सचिव रामेश्वर भाकर, भागीरथ राम महला, मो शकील, गोगा देवी, नेमीचंद भाकर, रामुराम भाटी, छीतरमल कुमावत, रामनिवास गीला, रामेश्वर मावलिया उपस्थित रहे। सुनील माथुर ने सभी को मतदान की शपथ दिलाई, एवम ईवीएम मशीन के बारे में विस्तार से बताया। राजेंद्र पारीक ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं एवम विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए। अंत में सभी उपस्थित बच्चों एवम बालचर संघ के सदस्यो को संस्था द्वारा मिठाई वितरित की गई।

ज्ञानांजलि महोत्सव में श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर के स्वयंसेवको ने दी सेवाएं

अयोध्या. शाबाश इंडिया। जैन धर्म की सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख 105 आर्यिका ज्ञान मति माताजी का 72वां संयम दिवस एवं 90वीं जन्म जयन्ती दिवस ज्ञानांजलि महोत्सव के रूप में शाश्वत जन्मभूमि अयोध्या में विभिन्न कार्यक्रमों सहित मनाया गया जिसमें अभिषेक शान्ति धारा सहित सर्वजातीय सम्मेलन, युवा परिषद् अधिवेशन, महिला अधिवेशन, भट्टारक सम्मेलन , माताजी की संगीतमय पूजन,आरती, विनयांजलि सभा,एवं रथयात्रा सहित विभिन्न आयोजन सम्पन्न हुए। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में श्री वीर सेवक मण्डल,जयपुर से स्वयंसेवको ने मंत्री/दलपति भानु कुमार छाबड़ा एवं उपदलपति सुरेश भौंच के नेतृत्व में अपनी सेवाएं प्रदान की। जिसकी आयोजकों द्वारा काफी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर पूज्य ज्ञान मति माताजी, प्रज्ञा श्रमणी आर्यिका चन्दनामति माताजी, एवं स्वस्ति कर्मयोगी भट्टारक जी श्री रवीन्द्र कीर्ति जी ने मण्डल के स्वंय सभी स्वयंसेवको को अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। पूज्य आर्यिका श्री ज्ञान मति माताजी के जन्मदिवस के मुख्य दिवस को मुख्य समारोह में माताजी की आरती करने का सौभाग्य श्री वीर सेवक मण्डल के सदस्यों को प्राप्त हुआ।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

अरमान और सपने उतने देखो जिसमें...स्वाभिमान को गिरवी ना रखना पड़े...!

शाबाश इंडिया। संसार में केवल एक ही चीज है जो हमारे अरमान और सपनों को पूरा नहीं होने देती है, वो है असफलता का भय। सपने देखने के लिये सोना पड़ता है और सपने पूरे करने के लिये जागना पड़ता है। सपने संजोए लेकिन उनको पूरा करने के लिए संकल्प, समर्पण और श्रम बहुत जरूरी है। संकल्प लो, सपने देखो, असफलता के भय को दूर रखकर उन्हें पूरा करने में लग जाओ। जो लोग अपनी असफलता के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं या समय का बहाना बनाते हैं,, वो स्वयं को और दूसरों को धोका दे रहे हैं। इसलिए कर लो दृढ़ संकल्प -- देवता चरण पखारेंगे। कुछ कार्य सुनने में बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन जब उन्हें पूरा करो तो छट्टी का दूध याद आता है। सम्मेद शिखर पर्वत की वन्दना की बातें करना सरल है लेकिन जब वन्दना के लिये जाओ तो तारे जमीं पर नजर आ जाते हैं। इसलिए सफलताओं के शिखर के लिए असफलता का डर हटायें और हिम्मत से एक कदम आगे बढ़ायें... !!!। **नरेंद्र अजमेरा , पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com